

दाऊद रौ राजतिलक



Bangani

दाऊद रौ राजतिलक

Bangani
uttarkashi, uttrakhand, india



For permission to reuse, contact the copyright holder.

Big Book in Bangani language
Orange Level Book

परकाशण:-

NLCI

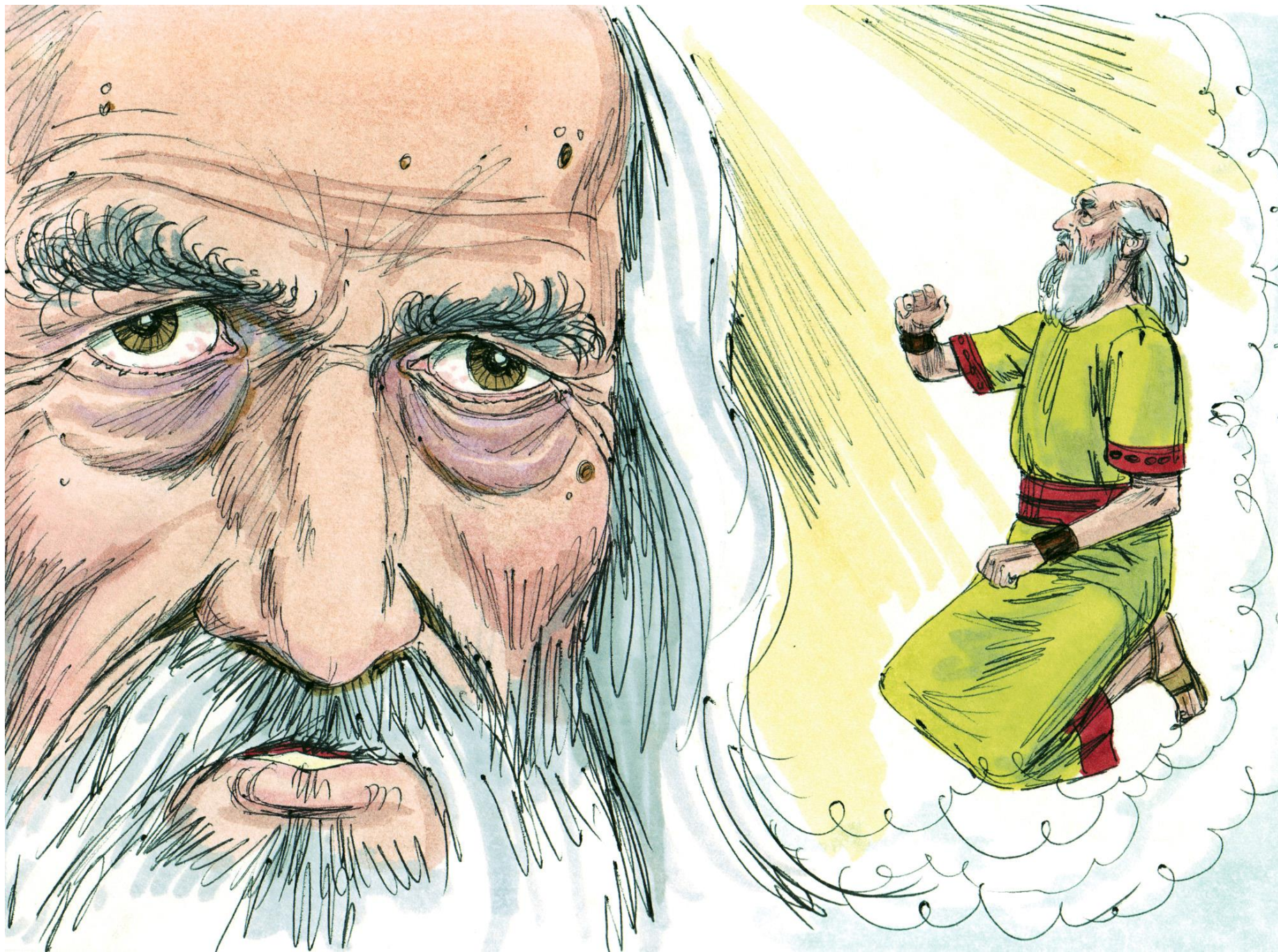
बंगाणी मसी समिति समू

दो बात

हम बंगाणी क्षेत्र में साक्षरता कार्यक्रम चला रहे हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ना लिखना सीख सकें। उसी आधार पर इस किताब को भी तैयार किया गया है। यह एक कहानी की किताब है। जिसमें दाऊद का अभिषेक के बारे में बहुत ही सरल रीति से बताया गया है। इस कहानी को हमने अपनी मातृभाषा में ही तैयार किया है जिससे वह इस कहानी को आसानी से समझ सके। और अपनी मातृभाषा में पढ़ने और लिखने का प्रयास भी कर सकें।



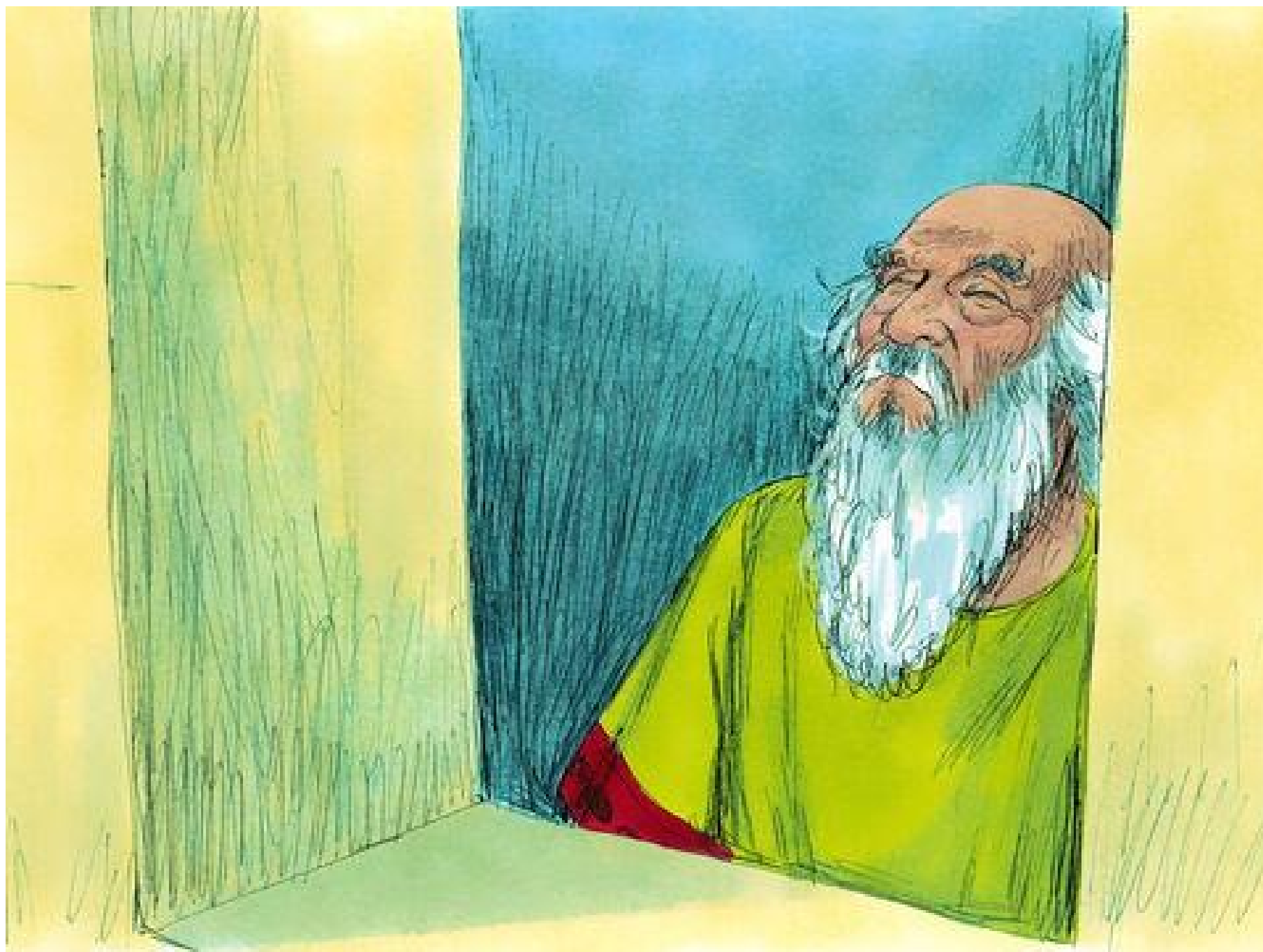
इस्राइली लोगु जौ परमेश्वर कौइ आपके खि
राजा रि मांग की थी, तैबै परमेश्वरेइ तिउंके
खि एक राजा छांटौ जेसरौ नौऊं शाऊल थौ।
कुछ बौक्तै जौउं तिणी परमेश्वर रि इछा कौइ
काम कियौ, तेतबासियै तिणी परमेश्वर रै
पौछौणिकै आँडणौ पोरु छोड़ौ।



तैबै परमेश्वरेइ आपड़ौ दास शमुएल आरि
बोलौ, कि तु शाऊल आरि बोल, कि आउँ
शाऊलेइ इस्राइल रौ राजा चाणियौ पौछतान्दै
लागौन्दौ, केलाकि तिणी मेरी आज्ञा ना मानी।
औजि मेरी पौछौणिकै आँडणौ छोड़ी गोअ।
जौ परमेश्वरेइ शमुएल आरि बोली गोअ थौ,
तैबै शमुएल शाऊल काई डैअ।



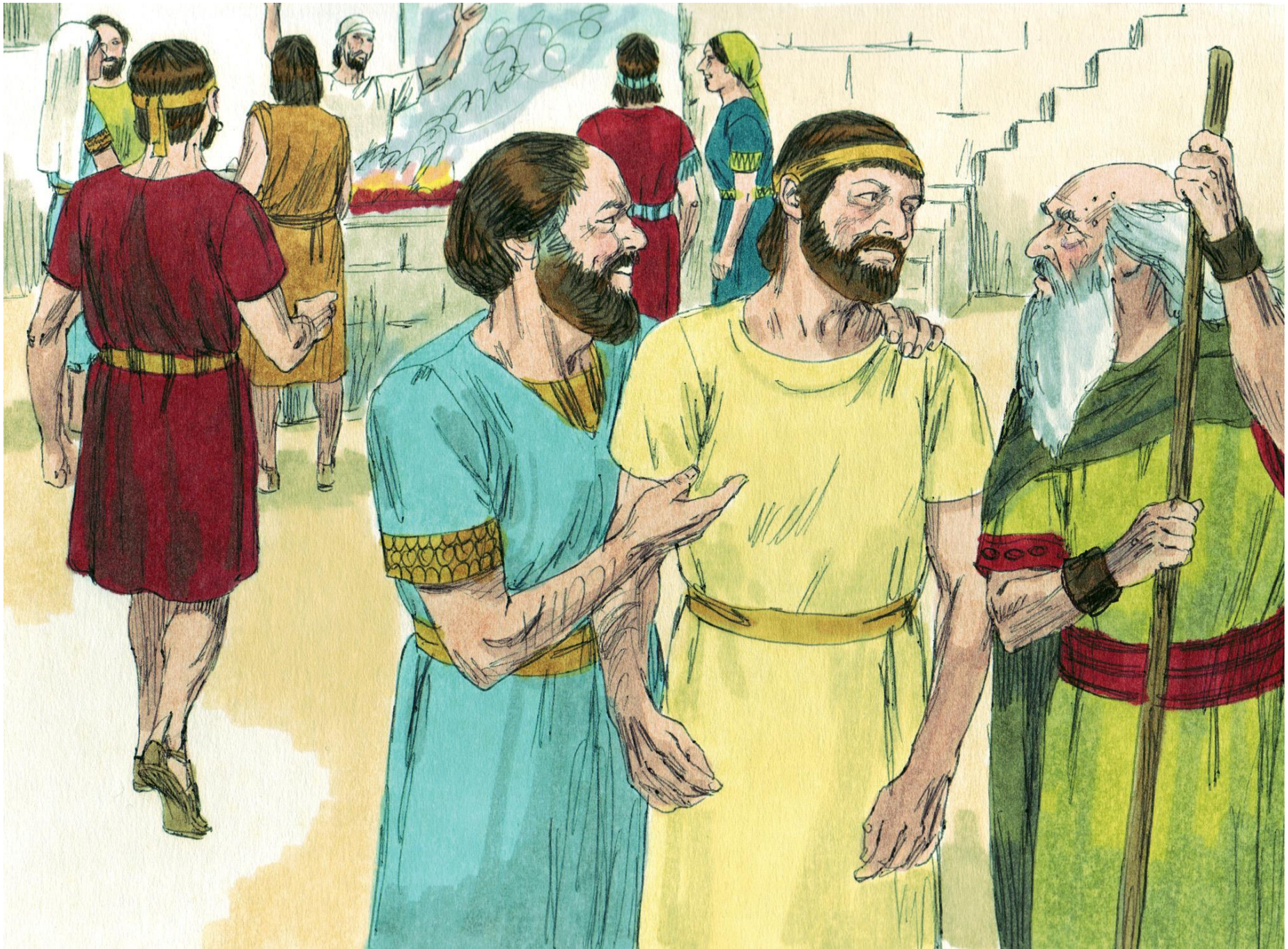
तैबै शमुएलेइ शाऊल आरि बोलौ, कि ताई
परमेश्वर रि बुशै ना मानी। एज़ी बौज़ै कौइ
परमेश्वरेइ तु इस्राइल रौ राज़ा औणे खि
निकामौ ज़ाणौ। औज़ि परमेश्वरेइ ताउँकौइ
इस्राइल रौ राज़ छुड़ाइयौ दुजै कै देणौ जुणज़ौ
ताउँकौइ बौड़िया।



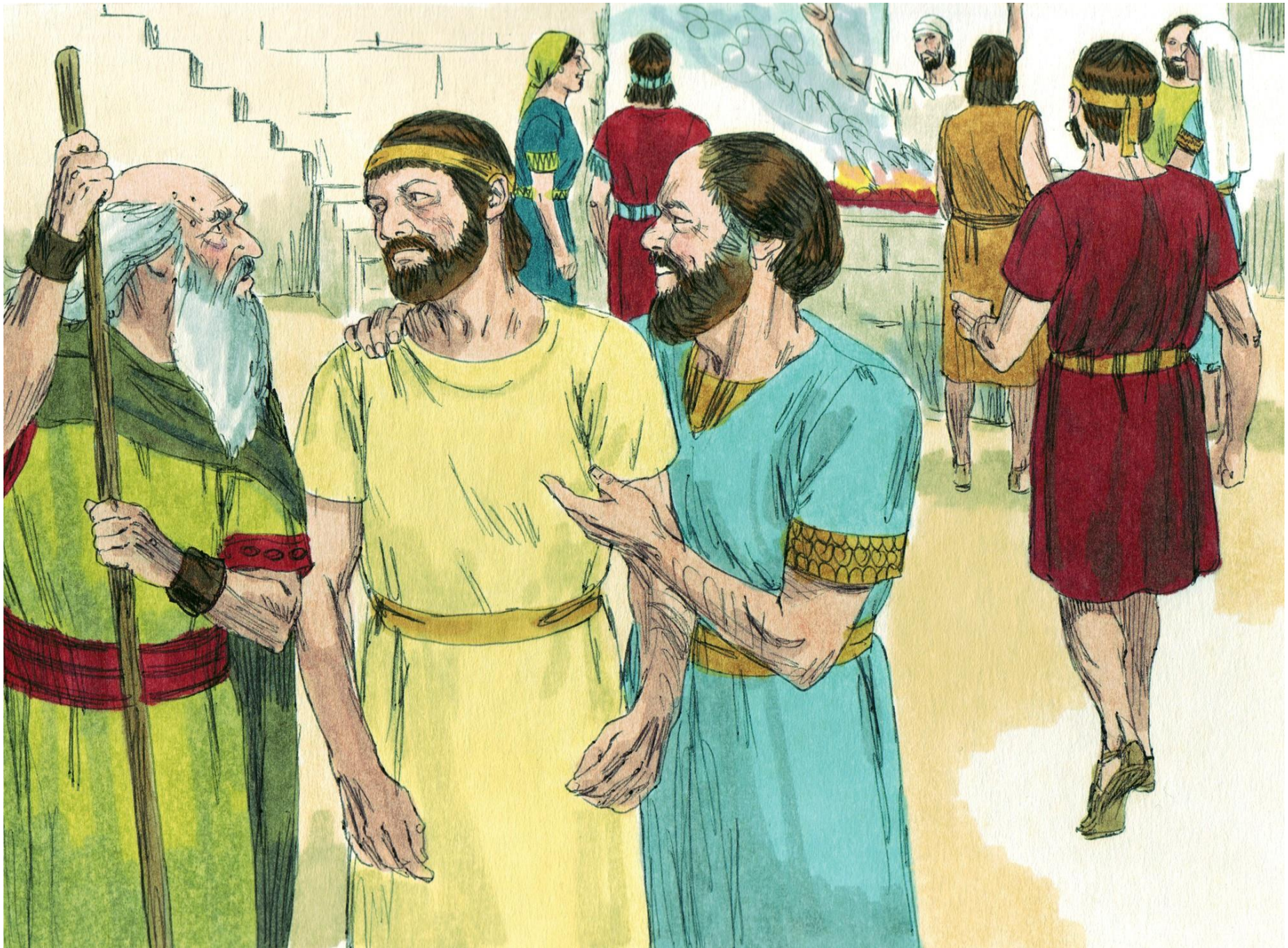
तैबै शमुएल तेतकौइ पोरु डैअ, औज़ि शाऊल
खी दुखी औन्दै लागौ, तैबै परमेश्वरेइ
शमुएल आरि बोलौ, कि तू केत्रा जौउं रौऐ
एसखी दुखी? बिऊजू औज़ि राजतिलक
कौरणै वाळै शींगे दी तेल बौरियौ बैतलम
गाऊं दी इशे नौऊं रौ मणूछै रै गौरे दी डेऊ।



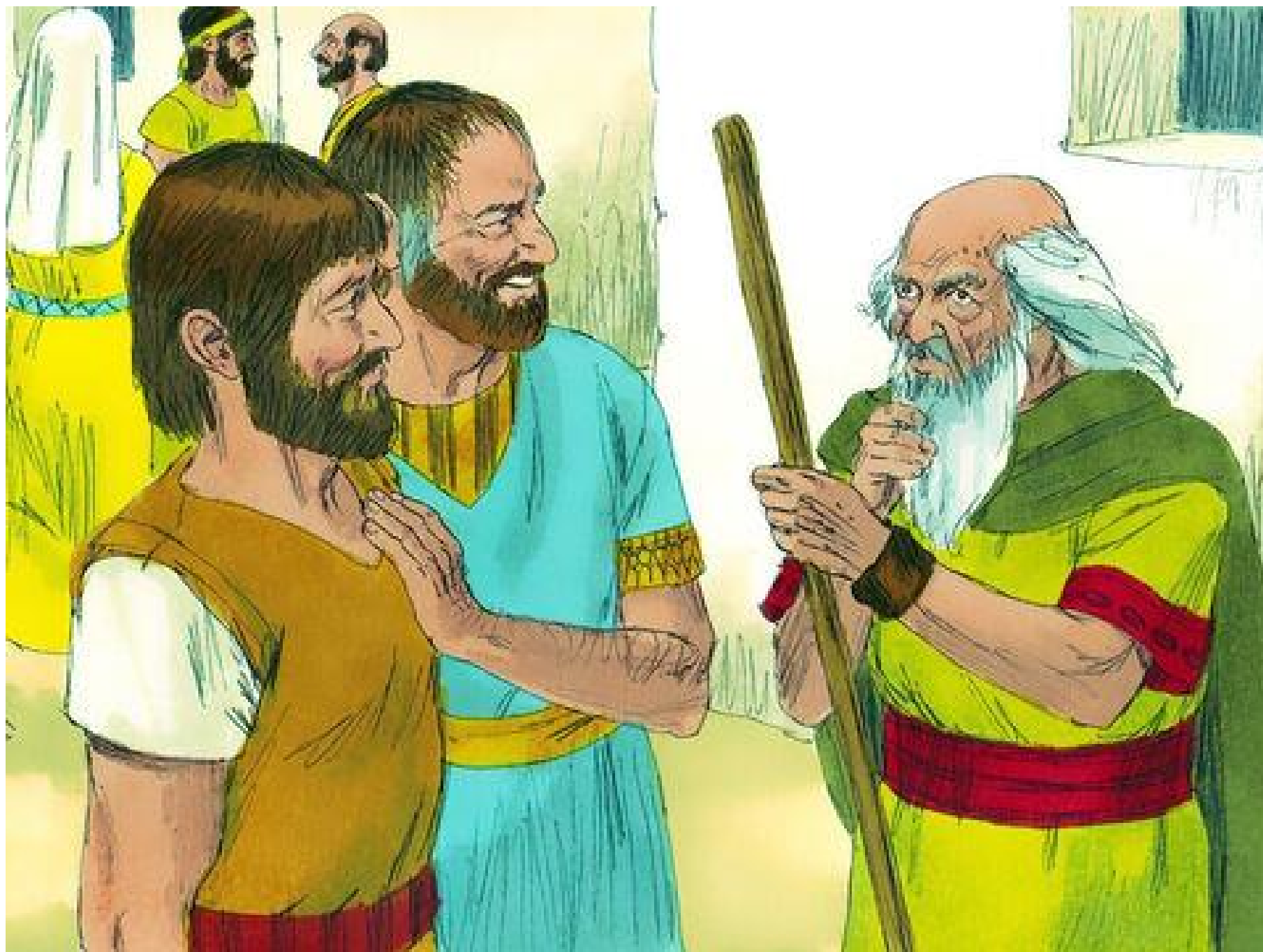
केलाकि मुईं तेसरै बेटाऊं माईं कौइ एक राज़ा
औणे खी छाँटौन्दौ । तैबै शमुएल परमेश्वर री
बुशै मानियौ बैतलम खी डैअ । औज़ि तेत्कै
डेईयौ तिणी इशे औज़ि तेसरै बेटाऊं खी
आपकाई आणे खी निमंत्रण देणौ ।



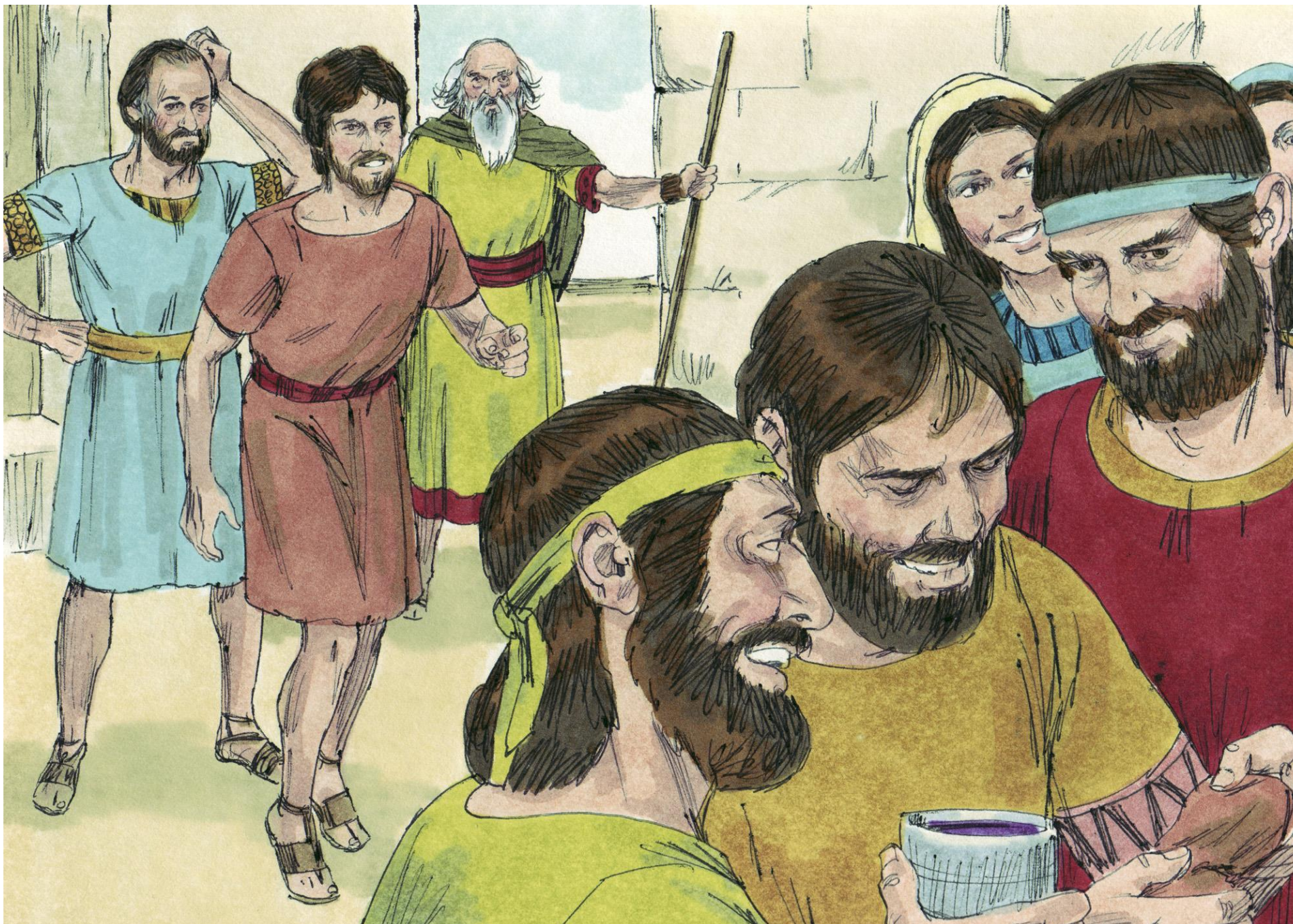
तैबै इशे औज़ि तेसरै बेटा शमुएल काई आए,
जौ शमुएलेइ इशे रौ बौड़ौ बेटा एलिआब
देखौ, तै शमुएलेइ सुँचौ कि जौरुर परमेश्वरेइ
एऊ इस्राइल रौ राज़ा औणे खी छाँटौन्दौ।



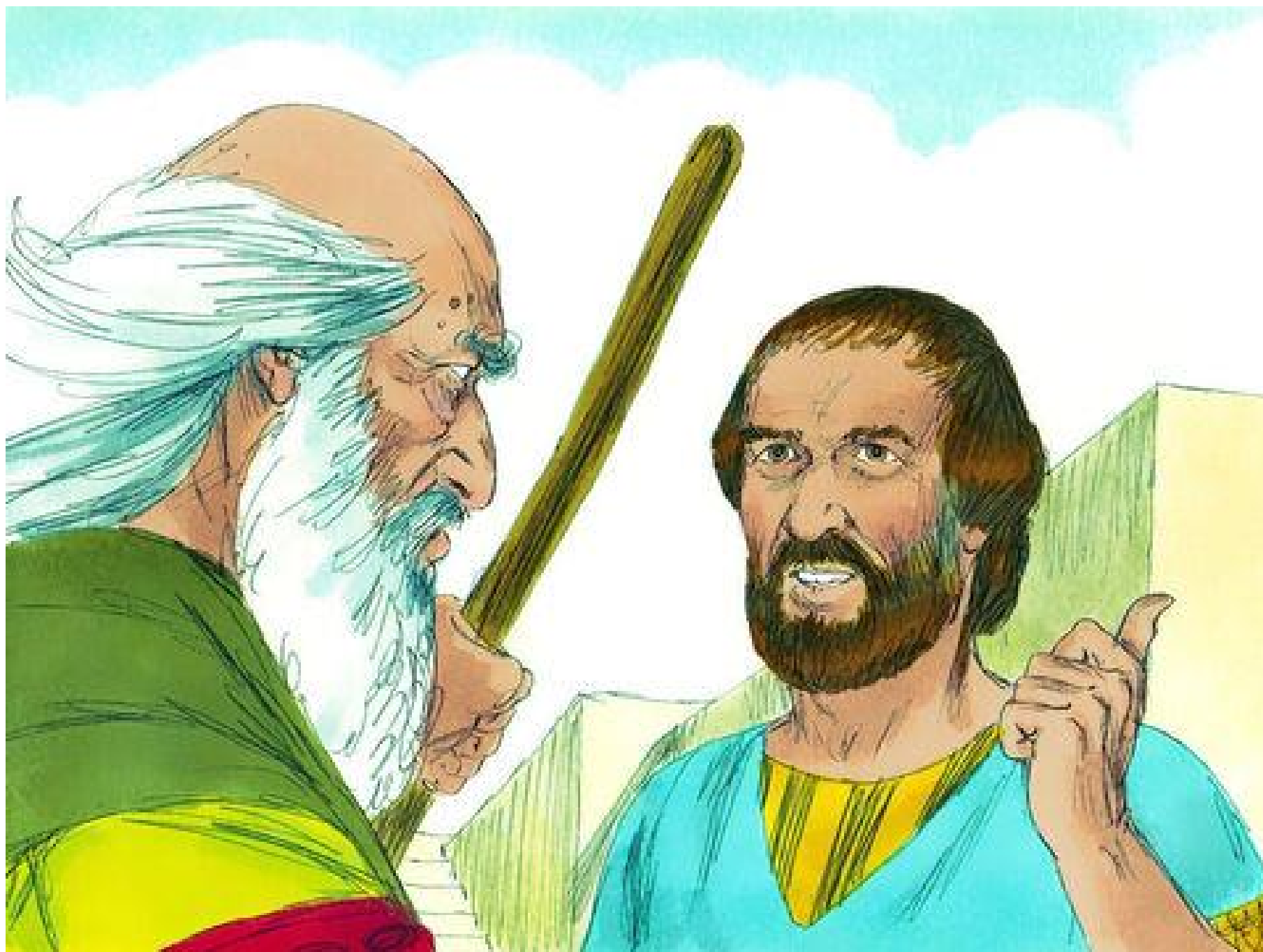
तैबै परमेश्वरेइ शमुएल आरि बोलौ, कि तू
एसरौ बाऽरै रौ रंग रूप ना देख, ना एसरी
लम्बाई देख। केलाकि मुई एऊ एस लाईक
ना सौमजौ, केलाकि परमेश्वर रौ देखणौ
माणछु बाशी ना नौथि, माणूछ खाली बाऽरै रौ
रूप देखै, पर परमेश्वर माणछु रै ज़िऊई देखै।



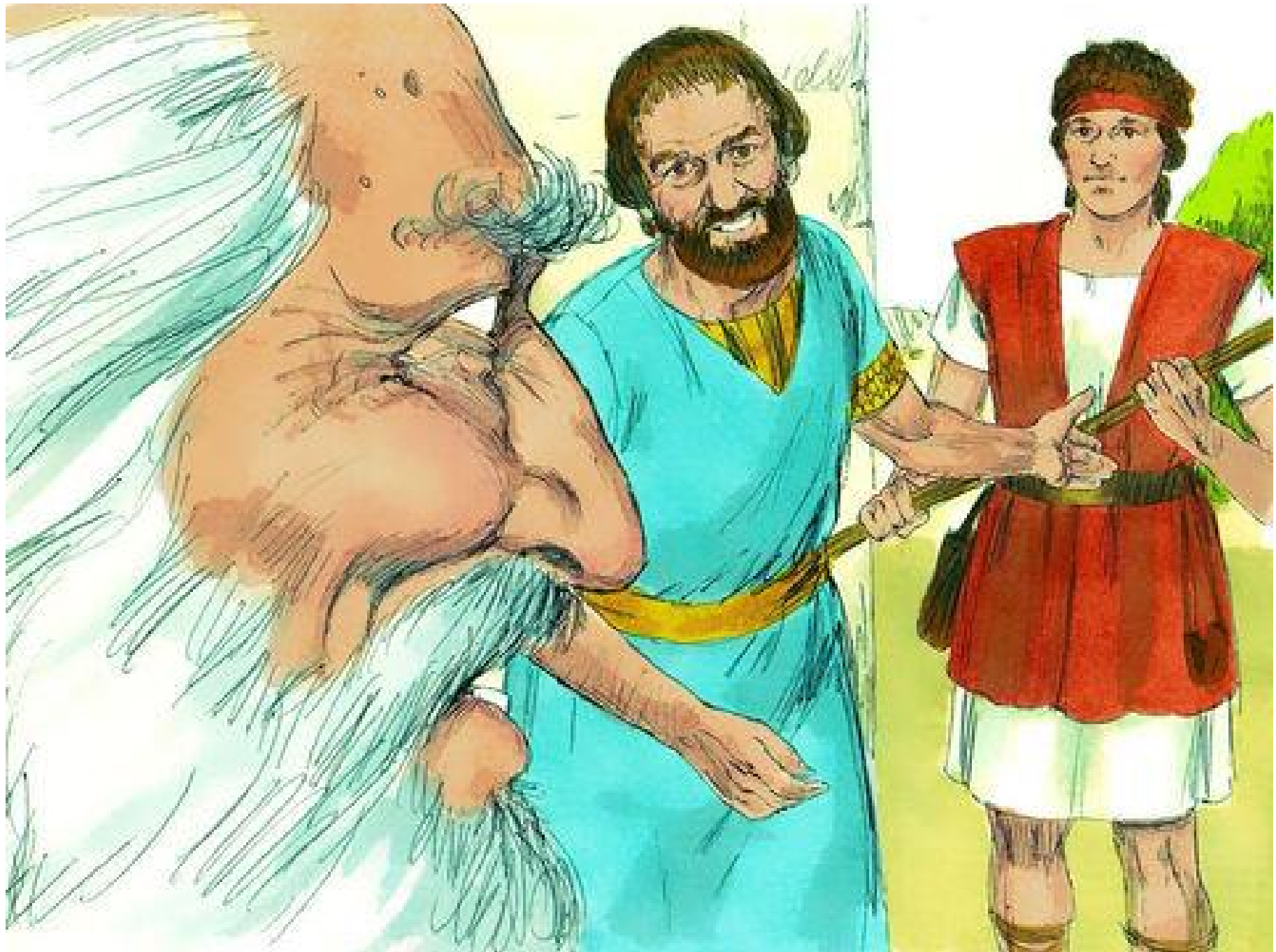
तैबै इशेइ आपड़ौ दुजौ बेटा औटाइयौ
शमुएल काई छाड़ौ, तै तिणी बोलौ, कि
परमेश्वरेइ एऊ बी ना छाँटौ, तैबै इशेइ चिजौ
बेटा छाड़ौ, तै तिणी बोलौ कि परमेश्वरेइ
एऊ बी ना छाँटौ।



एशेशौ कौइ इशेइ आपड़ै सातिया बेटा एक-
एक कौरियो शमुएल काई छाड़ै। तैबै
शमुएलेइ इशे आरि बोलौ, कि परमेश्वरेइ
ईॐ माई कौइ इस्राइल रौ राज़ा औणे रवी
कोई बी ना छाँटै।



तैबै शमुएलेइ इशे कौइ पुछौ, कि “का तेरै
सारै बेटा आई गोऐ?” तैबै इशेइ बोलौ ईबी
मेरौ छोटौ बेटा दाऊद ना आअ, सेऊ बेड़
बाकरिऊं चौरान्दै रौ डेइ। शमुएलेइ इशे आरि
बोलौ तेस ओरु औटाऊ, जै जौउं सेऊ एत्कै
ना आए लौ तै जौउं आमै खाणौ ना खान्दै,
तैबै तिऊं दाऊद औटाओ।



जौ दाऊद शमुएल काई आअ, तैबै शमुएलेइ
सेऊ देखौ सेऊ तै देखणे खी सुन्दर थौ औज़ि
तेसरै आखै बी सुन्दर थी, तैबै परमेश्वरेइ
शमुएल आरि बोलौ, कि बिऊजू औज़ि
दाऊद रौ राजतिलक कौर। केलाकि मुई
एऊई छाँटौन्दौ।



तैबै शमुएलेइ राज़तिलक रौ तेल कौइ
बौरौन्दौ शींग गिणौ, तै दाऊद रै सारै बाईऊँ रै
सामणै तेसरौ राज़तिलक कियौ। औज़ि सेज़ौ
दूस कौइ परमेश्वर रौ आत्मा दाऊद माई
आन्दू रौऐ थौ।

For the Teacher

This Big Book is designed to be used for two weeks. It promotes enjoyment of storybooks, development of vocabulary, the skills of prediction, sequencing and main idea, and the understanding that books are made up of words.

On **Monday**, the teacher

- shows everyone the cover of the book
- reads the title, while moving a finger under it
- turns to the first page, and discusses the picture (asks the children to predict what will happen)
- reads the text on the first page, fluently (not slowly), and
- asks the children what they think they will see on each page. (The teacher is the only one “reading.”)

On **Tuesday**, the teacher

- shows everyone the book, and
- reads the story again, following the words with a finger, without as much discussion of the pictures.

On **Wednesday**, the teacher

- invites children to join in with “reading” when the story comes to parts which are familiar to them
- shows a flashcard from the story and tells the class what the card says, and
- invites children to find the same word in the storybook (or to match the card with the word in the book to see if it is the same)

On **Thursday**, the teacher

- points smoothly to the words in the story and lets some volunteers “read” a page, if they can remember the story by now, and
- lets the children match the flashcards to the words in the story.

On **Friday**, the children

- act out (dramatize) the story as others help the teacher “read” it.

यह किताब NLCI संस्थान के द्वारा तैयार की गई है।

हम मातृभाषा में साक्षरता कार्यक्रम करते हैं। जिसके अन्तर्गत हम अपने क्षेत्र में अलग अलग भागों में शिक्षा देते हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि, हमारे क्षेत्र के असाक्षर लोग और बच्चे साक्षर हो सकें। और पढ़ लिख कर अपने समाज का विकास कर सकें।

हम जानते हैं कि हमारे क्षेत्र के अधिकतम लोग बोल-चाल में हो या काम-काज में हर स्थान पर अपनी मातृभाषा का उपयोग करते हैं। इसलिए हम अपने क्षेत्र के लोगों के लिए जो भी पाठ्य सामग्री तैयार करते हैं। उसे उन्हीं की मातृभाषा में तैयार करते हैं। जिससे उन्हें पढ़ने और लिखने में आसानी हो और वो जल्दी ही पढ़ना और लिखना सीख सकें।

हम अपनी संस्था में साक्षरता के द्वारा मातृभाषा में वयस्क शिक्षक ही नहीं चलाते बल्कि, अपने क्षेत्र में पढ़े-लिखे लोगों के लिये तथा बच्चों के लिये भी अलग-अलग तरह की पाठ्य सामग्री भी उन्हीं की मातृभाषा में उपलब्ध कराते हैं। जिससे की बच्चे अपने बचपन से ही अपनी मातृभाषा को महत्व दें जिससे हमारी भाषा लुप्त ना हो। हम प्रार्थना करते हैं कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ लिख सकें और हमारे क्षेत्र का और अधिक विकास हो सकें।

.....धन्यवाद.....



This book was created with some Bloom Enterprise features enabled at no cost in order to support projects solely funded by the local community.